Anand
DATE :
PAGE NO. :

ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं. - 10 दिनांक
Z00M0022 स्थान - फूलासर 12/06/21
ट्रैक समयावधि - 15:00 मिनट
कलाकार का नाम - (माले खां) गायन /वादन
पिता का नाम - निम्बे खां
पता →
सहायक कलाकार
1. मोहम्मद खां
विडियो रिकॉर्डिंग का समय
विषय - कथा (गजराज)
विशेष विवरण —

विशेष विवरण - यह कथा गजराज (हाथी) से सम्बन्धित है बात उस समय की है जब एक हाथी अपनी मद्य चाल में चल रहा होता है। वह हाथी बहुत ही बड़ा था। एक चूहा अचानक उसके पैर के नीचे आ जाता है और वह गम्भीर रूप से घायल हो जाता है। उसे चोट लग जाती है तब वह अपनी धीमी आवाज में बोलता है, गजराज आपने मुझे घायल कर दिया है। मेरे घरवाले मेरी राह देख रहे है।

आप मेरा उपचार तो करवाओ तो गजराज (हाथी) बोलता है आप मेरे रास्ते आये ही क्यु ऐसे कई जानवर मेरे कदमो में आते है मै किस-किस का उपचार करवाता रहू, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता आप या मरो या बचो। गजराज तो इतना कहकर वहा से निकल जाता है। और चूहा भी निशार होता है और धीरे-धीरे चोट से उभरता है, धीरे-धीरे समय बीतता गया।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

एक दिन वही गजराज भोजन की तलाश में जंगल में घूम रहा था की अचानक वह एक गड्ढे में गिर जाता है। गड्ढा बहुत गहरा होता है। गजराज उसमें गिर जाता है। अब उस जंगल में उसे बचाने वाला भी कोई नहीं होता है। बहुत समय बीत जाता है। मगर गजराज को बचाने के लिए कोई भी नहीं आता है। फिर अचानक वहीं चूहा जो गजराज के पैर के नीचे आया था। गजराज की आवाज सुनता है

तो वह गड्ढे के पास जाता है और देखता है की गजराज गड्ढे में है। फिर गजराज उससे कहते है। मुझे बचाओ। तो वह चूहा बोलता है कि मैं भी अगर तेरी तरह हो जाऊ तो तुझमे और मुझमे क्या फर्क रहेगा। तुने तो मुझे गायब किया था। पर मैं तुझे जीवन दूंगा मैं तुम्हे यहा से बचा लूंगा

फिर वह चूहा अपने बुरे साथियों को बुलाता है और गजराज को कहता है कि मैं और मेरे साथी इस गड्ढे में रेत डालेंगे और आपको गड्ढे के अन्दर एक जगह स्थिर नहीं रहना है आपको घूमते रहना है। चूहे गड्ढे में रेत डालने लगे धीरे-धीरे गड्ढा रेत से भरने लगा और गजराज इस गड्ढे से जीवित बाहर निकले।

अन्त में गजराज ने गड्ढे से बाहर निकलकर पुरे चूहा समाज से माफी मांगी और कहा आज अगर आप मुझे बाहर नहीं निकालते तो पता नहीं क्या होता। गजराज को अपने किये पर शर्मिंदा होना पड़ा।